शैक्षिक भ्रमण

उदयपुर तथा चित्तौड़गढ़ (29.11.2019 - 03.12.2019)

भ्रमण जीवन की व्यवहारिक शिक्षा है तथा कोई भी शिक्षा तब तक अधूरी है जब तक उसे जीवंत रूप में न जिया जाए। इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु दिल्ली पब्लिक स्कूल मारुति कुंज के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। पाँच दिवसीय इस भ्रमण में ''पधारो म्हारे देश'' और ''वीरों री धरती-राजस्थान'' के उदयपुर और चित्तौडगढ़ को यात्रा के लिए निश्चित किया गया। यात्रा के दौरान मारुति कुंज और डीएलएफ दोनों ही ब्रांच के कक्षा 6 से 8 तक के तकरीबन 125 विद्यार्थियों के साथ 10 अध्यापक गण का जाना तय हुआ। शुक्रवार शाम (29.11.2019) को 5:00 बजे तीन बसों से विद्यार्थीगण उदयपुर के लिए रवाना हुए रास्ते भर नाच-गाना, अंताक्षरी और मस्ती करते-करते कब वे अध्यापकगण और दूसरे विंग के विद्यार्थियों के साथ एक परिवार की तरह बन गए पता ही नहीं लगा। दूसरे दिन उदयपुर में सिटी पैलेस, संग्रहालय ,पिछोला झील ,स्थानीय बाजार का लुत्फ उठाया ,वहीं तीसरे दिन हल्दीघाटी, चेतक संग्रहालय, चेतक स्मारक ,महाराणा प्रताप मेमोरियल ,पांच धातुओं से निर्मित महाराणा प्रताप का स्टेचू और शाम को डीजे-डांस-नाइट के साथ माहौल को रंगीन किया गया। चौथे दिन सुबह-सुबह पहाड़ पर जंगल भ्रमण का आनंद उठाया और फिर नाश्ता करके चित्तौड़गढ़ के लिए रवाना हुए । वहाँ पर चित्तौड़गढ़ किला, रानी पद्मिनी का महल ,मीरा मंदिर,विजय स्तंभ आदि को देखते हुए दोपहर के बाद वापसी के लिए रवाना हुए। इस प्रकार पांचवें दिन सुबह थकावट को हराते-मुस्कुराते बच्चे वापस अपने घर को पहुंचे। सभी के चेहरे अपने इस अनोखे अनुभव से तरोताज़गी,आत्मविश्वास और उत्साह दिखाई दे रहा था। शैक्षिक भ्रमण सामाजिक मेलजोल, आपसी सामंजस्य, सौहार्द्र के साथ ही देश के गौरवशाली ऐतिहासिक स्थलों से परिचय भी बढ़ाते हैं और इस तरह से आँखों देखी शिक्षा मन में कहीं एक मजबूत स्थान बना लेती है इस उद्देश्य की सफलतापूर्वक प्रस्तुति इस भ्रमण में देखी गई सभी विद्यार्थीगण अपने प्रधानाचार्य श्रीमान अखिलेश चंद्र चतुर्वेदी के आभारी थे कि उन्होंने इतना अच्छा मौका बच्चों को प्रदान किया।